अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर

साप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर एवं योग–अध्यात्म–शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून, 2018 श्रीगोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर

प्रेस विज्ञप्ति (द्वितीय सत्र)

प्रकाशनार्थ, 17 जून। महायोगी गुरु गोरखनाथ योग संस्थान एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर एवं योग–अध्यात्म–शैक्षिक कार्यशाला के तीसरे दिन के शैक्षिक सत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित सभी अनुदानित इण्टर कालेजों के शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यो की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो0 उदय प्रताप सिंह ने कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा अनुदानित सभी इण्टर कालेज उत्तर प्रदेश शासन के नियमों द्वारा संचालित होते है। शिक्षकों–कर्मचारियों को वेतन, अवकास आदि सभी सुविधाएं माध्यमिक शिक्षा परिषद् और उत्तर प्रदेश शासन के नियमों के अधीन प्रदेश के सभी संस्थाओं के समान हमारी अनुदानित संस्थाओं को भी प्राप्त होता है। किन्तु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की संस्थाएं इस आधार पर अन्य संस्थाओं से भिन्न है कि हमें शासन के साथ–साथ शिक्षा परिषद के भी उद्देश्यों का सामन्जस्य बिठाकर कार्य करना है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी संस्थाओं में पठन–पाठन, अनुशासन के साथ–साथ भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों की भी शिक्षा दी जाए। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज कहा करते थे कि भारत की भावी राष्ट्रभक्त पीढ़ी शिक्षण संस्थाओं के द्वारा निर्मित होती है। हम उनके इन भावनाओं को अपनी शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से फलीभूत करें। जुलाई से प्रारम्भ हो रहे सत्र में प्रत्येक संस्थाओं का महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपनी निर्धारित प्रारूप एंव बिन्दुओं पर निरीक्षण करायेगी। संस्थाओं की ग्रेडिंग की जायेगी। उन्हे सुधारात्मक सुझाव दिये जायेंगे।

कार्यशाला की प्रस्ताविकी करते हुए महाराणा प्रताप पी0जी0कालेज, जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप राव ने कहा कि प्रतिवर्ष होने वाली यह कार्यशाला हमें आगामी एक वर्ष कार्य करने का रोड मैप प्रदान करती है। हम एक वर्ष की अपनी योजना, उसका क्रियान्वयन और उसका मूल्यांकन की योग्य पद्धति विकसित करें जिससे महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों के अनुरूप अपनी–अपनी संस्थाओं को अनवरत् विकास करते रहें। हम सभी शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यो को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी संस्थाएं अन्य सभी संस्थाओं के लिए प्रतिमान बनें। गुणवक्ता युक्त पढ़ाई किसी भी शिक्षण संस्था की प्रथम शर्त है। अनुशासन संस्था का प्राण है। वर्तमान युग तकनीक का युग है। अतः अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग के बिना गुणवत्तायुक्त शिक्षण की कल्पना नही की जा सकती। अतः हम अत्याधुनिक संसाधनों के साथ युगानूकुल पठन–पाठन देते हुए संस्कार प्रदान करने के कारण पहचाने जाएं।

इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के निर्णय के अनुरूप निरीक्षण प्रारूप को प्रोजेक्टर के माध्यम से सभी सस्थाध्यक्षों एवं शिक्षकों के समक्ष प्रस्तुत किया। अगले सत्र में जिन महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर संस्थाओं का निरीक्षण होना है और जिन बिन्दुओं पर उन्हें आगे बढ़ना है उसका खाका सभी के समक्ष प्रस्तुत कर उसपर विस्तृत चर्चा करते हुए सभी के सुझाव लिये गये।

इस अवसर पर महाराणा प्रताप इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ0 अरूण कुमार सिंह, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स की प्रधानाचार्या कैप्टन मंजू सिंह, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार के प्रधानाचार्य डॉ0 हरेन्द्र यादव, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज, जंगल धूसड़ के प्रधानाचार्य श्री संदीप कुमार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी श्री केशव त्रिपाठी तथा दिग्विजयनाथ बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सपना कुमारी सिंह ने भी अपनी–अपनी संस्थाओं की वार्षिक योजना और उसके क्रियान्वयन का स्वरूप प्रस्तुत किया। इन सभी संस्थाओं के शिक्षकों ने भी अपने–अपने सुझाव दिये।